3. कृषि आय बढ़ाने और भारतीय कृषि को अधिक समावेशी और टिकाऊ बनाने के लिए किन नीतियों और सुधारों की आवश्यकता है?

4. भारत ने 2005 से 2015 की अवधि के दौरान विश्व व्यापार के साथ-साथ वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) भागीदारी में वृद्धि की है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

5. जनसांख्यिकीय लाभांश और जमा का संचय समृद्धि प्राप्त करने की महत्वपूर्ण क्षमता रखता है, हालांकि कुछ अंतर्निहित कारक इच्छित परिणामों को साकार करने के लिए प्रतिकारक के रूप में कार्य कर सकते हैं। चर्चा कीजिए।

6. 1947 और 1965 के बीच श्रम कानूनों के विकासात्मक आधारों की व्याख्या कीजिए। 1965 के बाद किस तरह के परिणामों ने इस पैटर्न को बाधित किया?

7. समग्र संसाधन जुटाने की व्यापक परियोजना के भीतर नेहरू काल के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के विचार और उसके प्रदर्शन रिकॉर्ड का विश्लेषण कीजिए। इस युग के दौरान प्राथमिक शिक्षा की भूमिका को काफी हद तक नजरअंदाज किया गया। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? प्रासंगिक डेटा के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

8. तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के संदर्भ में भारत की व्यापार क्षमता को बढ़ाने वाले फोकस और रणनीतिक व्यापार प्राथमिकताओं के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6151 **J**

Unique Paper Code : 2272103603

Name of the Paper : Indian Growth and Development

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **five** questions out of **eight**.
3. **All** questions carry equal **(18)** marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. आठ में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

P.T.O.

3. सभी प्रश्नों के अंक समान (18) हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Explain the series of events that set India on a higher growth path in the early 2000s and the subsequent growth decline thereafter.

2. "In a poor developing country, the touchstone of successful economic performance is poverty alleviation". Discuss this statement in the context of India since 1980.

3. What are the policies and reforms needed for enhancing farm income and making Indian agriculture more inclusive and sustainable?

4. India has grown in world trade as well as Global Value Chain (GVC) participation during the period of 2005 to 2015. Illustrate this statement.

5. The accumulation of demographic dividends and deposits holds significant potential for achieving prosperity, although certain underlying factors may act as counterforces to realizing the intended outcomes. Discuss.

6. Explain the developmental foundations of labour laws between 1947 and 1965. What kind of outcomes disrupted this pattern after 1965?

7. Analyse the idea of the public sector and its performance record during the Nehru period within the broader project of overall resource mobilisation. The role of primary education was largely neglected during this era. Do you agree with this viewpoint? Substantiate your answer with relevant data.

8. Elaborate on the key areas of focus and strategic trade priorities that can enhance India's trade potential in the context of a rapidly evolving global economic landscape.

1. उन घटनाओं की श्रृंखला की व्याख्या कीजिए, जिन्होंने 2000 के दशक की शुरुआत में भारत को उच्च विकास पथ पर स्थापित किया और उसके बाद विकास में गिरावट आई।

2. "एक गरीब विकासशील देश में, सफल आर्थिक प्रदर्शन की कसौटी गरीबी उन्मूलन है"। 1980 से भारत के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए।